DATE : / /

October month Portions and Notes

Portions: पठन और लेखन कार्य

पाठ : 9 मिनी का ई-मेल

कविता : 10 तितली रानी

व्याकरण :

पाठ : 8 सर्वनाम

NOTES:

c/w. पाठ : 9 मिनी का ई-मेल

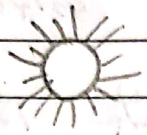
I शब्द - अर्थ

1. आकाश - sky
2. बुलावा - invitation
3. पत्र - letter
4. चाँद - moon
5. कागज़ - paper
6. इंतज़ार - waiting

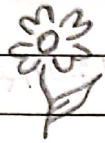
Scanned with OKEN Scanner

PAGE:
DATE: / /

II गोले में लिखे नाम शब्द की जगह चित्र बनाकर लिखिए :

1.  चमक रहा है।

2.  पर  बैठी है।

3.  पर  मँडरा रही है।

III प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. मिनी को किसने कहानी सुनाई ?

उत्तर मिनी को उसकी नानी जी ने कहानी सुनाई।

2. सूरज दादा कहाँ छिप गए थे ?

उत्तर सूरज दादा बादलों में छिप गए थे।

3. चमकते चाँद को देखकर मिनी क्या करना चाहती थी ?

उत्तर चमकते चाँद को देखकर मिनी उनसे बातें करना चाहती थी ?

Scanned with OKEN Scanner

PAGE:
DATE : / /

प्र. मिनी का ई-मेल क्यों नहीं गया?

उत्तर बारिश से तार टूट जाने के कारण इंटरनेट काम नहीं कर रहा था। इसलिए मिनी का ई-मेल नहीं जा सका।

व्याकरण :

सर्वनाम (पुस्तक अभ्यास)
Pg No (51-56)

V. Umeshwari

कविता : 10 तितली रानी

c/w Notes :

भाषा-ज्ञान

I पढ़ो, समझो और लिखो :

तितली फूलों पर मँडराती है।
तितली फूलों से रंग लेती है।
पौधे पर फूल खिला है।
तितली सबको हर्षाती है।

Scanned with OKEN Scanner

PAGE:
DATE: / /

II उल्टे अर्थवाले शब्द लिखिए :

1. अच्छा × बुरा
2. दूर × पास
3. इधर × उधर
4. खुश × उदास
5. सच्चा × झूठा
6. पीछे × आगे
7. उतरना × चढ़ना
8. बैठना × उठना

III एक जैसी आवाज़ वाले शब्द लिखिए :

1. फूल - झूल
2. हरषाती - शरमाती
3. खिली - मिली
4. इल्ली × झिल्ली
5. कली × फली
6. चंचल × अंचल

IV जिनके नीचे रेखा है, वे शब्द किसके लिए आए हैं —

1. तितली के पास जाओ तो वह उड़ जाती है। तितली
2. प्रिया ने माँ से कहा - मुझे भूख लगी है। प्रिया
3. बच्चों ने नानी से पूछा - आप कहाँ जा रही हैं? नानी

Scanned with OKEN Scanner

V प्रश्नोत्तर:

1. तितली रंग कहाँ से लेती है?

उत्तर तितली रंग फूलों से लेती है।

2. बच्चा तितली से क्या चाहता है?

उत्तर बच्चा तितली से दोस्ती करना चाहता है।

3. तितली का सुंदर-सा चित्र बनाओ। उसके बारे में दो वाक्य लिखो।

उत्तर 1. रंग-बिरंगी तितली बहुत सुंदर लगती है।

2. वह फूलों और कलियों पर इधर से उधर मँडराती रहती है।



V. Umeshwari